2/11/20 प्रार्थी चेरा डूमि प्रार्थी/ वादी संख्या 1, 2, 4 ता: 7 जरिये अधिवक्ता के पूर्व के दिनांक 2/9/20 को उपस्थित होकर प्रार्थना-पत्र बाबत वाद विड्रा करवाने का प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रकरण पक्षकारान के मध्य लोक अदालत की भावना से राजीनामा हो चुका है। प्रकरण को विड्रा करने की कृपा करें तथा वादी संख्या 3 श्रीमती ... की होने बाद मृत्यु होने के संबंध के प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रकरण के प्रार्थी की बाहीन ...

Identified by
[signature]
(हीरालाल जैन)

[signature]

Signature Not Verified

Digitally signed by Abhishek Surana
Date: 2020.12.14 17:32:21 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner

फर्द अहकाम

कैलाश वर्मा **बनाम** काल्या वर्मा

नाम न्यायालय

केस संख्या 305/2014 वाद

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
		की मृत्यु दिनांक 9/2/20 को हो गई है। ऐसे के प्रकरण के उक्त वादी की मृत्यु होने से प्रकरण के उसके वारिसानों को रिकार्ड पर नहीं लिये जाकर प्रकरण के बाहमी राजीनामा होने से प्रकरण वादी संख्या 3 की हद तक रिकार्ड पर लिये जाने की अपेक्षा करवाये। एवं शेष वादी/वादीगण संख्या 2 ता. 12 जरिये अधिवक्ता के उपस्थित होकर प्रार्थना-पत्र बाबत वाद विड्रा किये जाने का प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रकरण में बाहमी लोग सहायता की भावना से बाहमी राजीनामा हो गया है प्रार्थीगण/वादीगण प्रकरण को चलाना नहीं चाहते हैं। प्रकरण को विड्रा करने की कृपा करें। प्रार्थीगण/वादीगण के द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्रों एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया। न्यायहित में प्रार्थीगण/वादीगण के प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है। अतः प्रार्थीगण/वादीगण के प्रा. पत्र वाद विड्रा किये जाने तथा वादी संख्या 3 के वारिसान को रिकार्ड पर नहीं लिये जाने का स्वीकार किया जाकर प्रार्थीगण/वादीगण को वाद विड्रा करने की अनुमति प्रदान की जाती है। पत्रावली [illegible] होकर उपरोक्त नम्बर से [illegible] हस्ताक्षर हो। (A)	पाचुराम अ.नि. शिमु मुराम (मुरली) RTI प्रभाती RTI चाकरी Identified By [signature] (हीरालाल सैनी)

Signature Not Verified
Digitally signed by Abhishek Surana
Date: 2020.12.14 17:32:21 IST
Reason: SelfAttested
Scanned with CamScanner